सफल राजस्थान

डाक पं. संख्या :
जयपुर सिटी/129/2018-20

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

सफल राजस्थान
न्यूज पेपर से जुड़ने के लिये संपर्क करें।
safalraj2012@gmail.com
web : www.safalrajasthan.com
Contact 8829966661
9251166661
9214466661

वर्ष- 3 | अंक-29 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर 4 मार्च, 2019 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

राष्ट्रीयता के बिना राष्ट्र की रक्षा संभव नहीं : गोपाल

समरसता सम्मेलन बना सर्वसमाज का संगम

सफल राजस्थान

जयपुर। रामलीला मैदान में रविवार को सामाजिक समरसता सम्मेलन सर्व समाज के आशीर्वाद का अपूर्व संगम बन गया। समरसता सम्मेलन में शहीद क्रांतिकारी, संत महंतों, व्यापारी-उद्यमियों, मातृशक्ति व सर्व समाजों का अपूर्व संगम देखने को मिला। सम्मेलन का आकर्षण ताडकेश्वर मंदिर से रामलीला मैदान तक पहुंची मातृशक्ति की विशाल कलशयात्रा और अल्बर्ट हॉल से रामलीला मैदान तक आई तिरंगा यात्रा रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा ने पुलवामा के शहीदों का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि राष्ट्रीयता के जज्बे के बिना राष्ट्र की रक्षा संभव नहीं है, और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नापाक पाक के मंसूबों पर पानी फेरते हुए पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है।

जयपुर विजन पेश किया

इस अवसर पर मुख्य वक्ता गोपाल शर्मा ने कहा कि आरएसएस से वह बचपन से जुड़े हुए हैं, एवं जयपुर उनकी रग-रग में रचा बसा है। उन्होंने कहा कि छोटी काशी से अनेक राजनीतिज्ञों ने देशसेवा की है, किन्तु अब तक जयपुर को वो मुकाम नहीं मिल सका है जो मिलना चाहिए था। आज भी ये प्रश्न हम सबके सामने है कि जयपुर की कच्ची बस्तियां सुविधाओं को क्यों तरस रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में सशक्त नेतृत्व वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ही गरीब बस्तियों तक गैस का चूल्हा पहुंचाने के बारे में क्यो सोचना पडता है।

उन्होंने सवाल उठाते कहा कि जयपुर आज तक शिक्षा हब क्यों नहीं बन सका है। अब तक के कमजोर इच्छाशक्ति वाले राजनीतिज्ञों के कारण आईआईएम व आईआईटी जैसे मानक संस्थान जयपुर को क्यों नहीं मिल सके हैं। इसलिए अब समय आ गया है जब जयपुर को सक्षम नेतृत्व चाहिए। इस अवसर पर देश की स्वाधीनता संग्राम में अपना अमिट योगदान देने वाले अफशाक उल्ला खान के पौत्र अफशाक उल्ला खान ने कहा कि अफशाक उगा खान व रामप्रसाद बिस्मिल ने देश की स्वाधीन बनाने में अमिट योगदान दिया। उन्हें फ्रख है कि वह ऐसे मंच पर हैं जहां पुलवामा के शहीदों का सम्मान हो रहा है। उन्होंने कहा कि गोपाल शर्मा की राष्ट्रीयता की भावना का आदर किया जाना चाहिए। काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत डॉ. कुलपति तिवारी ने कहा कि पुलवामा के शहीदों की आत्मा को काशी विश्वनाथ के परमशिव शांति प्रदान करें और गोपाल शर्मा जैसा नेतृत्व जयपुर की जनता को मिले।

शहीदें के परिवारों ने की शिरकत

समरसता सम्मेलन में पुलवामा के शहीदों हेमराज मीणा के बड़े भाई रामविलास मीणा, धौलपुर के शहीद भागीरथ के पिता परशुराम, भरतपुर जिले के शहीद जीतराम गुर्जर के छोटे भाई विक्रम गुर्जर, राजसमंद के शहीद नारायण लाल गुर्जर की बहादुर बेटी हेमलता, जयपुर के गांव गोविंदपुरा बासड़ी के शहीद रोहिताश्व लांबा के पिता बाबूलाल लाम्बा, जयपुर के पूर्व में हुए शहीद अमित भारद्वाज के पिता ओ पी शर्मा एवं माता सुशीला देवी, संसद हमले में शहीद जगदीश यादव की पत्नी प्रेमदेवी यादव, करगिल के बाद 2004 में सर्चिंग ऑपरेशन के शहीद योगेश अग्रवाल के पिता अजय अग्रवाल, उड़ीसा के मल्कानगिरी में शहीद हुए अशोक यादव के छोटे भाई सुभाष यादव, पाक गोलीबारी में शहीद कप्तान अभय पारीक की बहन शिल्पा पारीक, शहीद हिम्मत सिंह सीआरपीएफ के झारखंड में 2010 में पिता किशोर सिंह शामिल हुए ।

धार्मिक कार्यक्रमों का गवाह बना रामलीला मैदान

उस पल का गवाह बन गया जब रामलीला मैदान में सम्मेलन में यज्ञ किया गया एवं पुलवामा के शहीदों की आत्मा की शांति के लिए विशेष मंत्रों से आहुतियां दी गई और पंचकुंडीय राष्ट्ररक्षा शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ, विशाल कलशयात्रा, श्यामप्रभु का साक्षात दरबार का दरबार सजा।

एनडीटीवी एवं पर्यटन विभाग के सौजन्य से 'पर्यटन व जीविकोपार्जन' विषय पर विमर्श आयोजित

राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में जीविकोपार्जन की अपार संभावनाएं है : सचिन पायलट

सफल राजस्थान

जयपुर। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान मे मौजूद पुरा सम्पदा, समृद्व इतिहास, वन्य सम्पदा व अनेक ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के कारण यहाँ पर्यटन के क्षेत्र में जीविकोपार्जन की अपार संभावनाएं हैं केवल जरूरत है पर्यटन उधोग की सही प्रकार से मार्केटिंग की। पायलट ने यह बात एनडीटीवी एवं पर्यटन विभाग की संयुक्त पहल 'पधारो म्हारे देश' के तहत 'पर्यटन व जीविकोपार्जन' विषय पर अल्बर्ट हॉल पर आयोजित परिचर्चा में पत्रकार निधी राजदान के सवालों पर गणमान्य अतिथियों के समक्ष कही ।

उन्होंने कहा कि दे' में आने वाले प्रत्येक 3 पर्यटक में से एक राजस्थान आता है व एक पर्यटक के राज्य में भ्रमण पर आने से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 14 लोगों को रोजगार मिलता है लेकिन गत वर्षों में पर्यटकों हेतु आवश्यक सुविधाएं विकसित करने पर ध्यान न देने, उन्हें आकर्षित करने हेतु मार्केटिंग पर ध्यान न देने व उनकी सुरक्षा पर ध्यान न देने के कारण प्रदेश में बहुतायत में आकर्षक पर्यटन स्थलों की मौजूदगी के बावजूद पर्यटन के क्षेत्र में राज्य पिछड़ गया । लेकिन अब राज्य में पयर्टन उधोग पर विशेष ध्यान दिया जायेगा क्योंकि इस क्षेत्र का सही प्रकार से दोहन किया जाये तो लाखों की तादाद में प्रशिक्षित व अप्रशिक्षित लोग रोजगार पा सकते हैं। पायलट ने कहा कि प्रदेश में अनेक नये

टूरिस्ट सर्किट व डेस्टिनेषन को सुव्यवस्थित तरीके से विकसित करने की जरूरत है । इनके विकास से रोजगार के नये अवसर युवाओं के लिए सृजित हो सकते हैं। अगर केन्द्र राज्य को पयर्टन के क्षेत्र में विकास हेतु पर्याप्त सहयोग प्रदान करे तो प्रदेश में पर्यटन उधोग नई उंचाईयां हासिल कर सकेगा इससे राज्य की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेष में प्राथमिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देगी ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे बड़े होकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सके।

शिक्षित व अशिक्षित युवाओं को रोजगार प्रदान करना प्रदेश व देश के लिए उन्होंने सबसे बड़ी चुनौति बताया व कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई मनरेगा योजना देश के ग्रामीणों के लिए जीवनदायिनी बन चुकी है इससे लगभग 40 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा से उपर उठ सके। विश्व में रोजगार प्रदान करने वाली ऐसी योजना कहीं नहीं है।

पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिहं ने प्रदेश में पर्यटन उद्योग के विकास हेतु आधारभूत ढांचे में सुधार की जरूरत बताते हुए कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा देशी व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इतिहास, पुरा सम्पदा, धार्मिक महत्व के स्थलों व वन्य सम्पदा को जोड़ना होगा। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के होटलों की खस्ता हालत के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इनकी हालत सुधारने पर ध्यान दिया जा रहा है व प्रयास किये जा रहें है ताकि ये ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर सकें व राजस्व में बढ़ोतरी के साथ-साथ रोजगार प्रदान करने में सहायक हो सकें।

सिंह ने कहा कि राज्य में पयर्टन के क्षेत्र में सक्रिय माफिया का सफाया करने पर जोर रहेगा ताकि यहाँ आने वाला हर पर्यटक स्वंय को महफूज महसूस कर सके व मधुर स्मृतियों के साथ वापस लौट सके। इस अवसर पर पर्यटन राज्य मंत्री गोविन्द सिहं डोटासरा, पूर्व मंत्री बीना काक, प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन श्रेया गुहा, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन मनीषा अरोड़ा, पर्यटन व होटल व्यवसाय से जुड़ी नामचीन हस्तियां, पर्यटन विभाग व एनडीटीवी के अनेक अधिकारी व पत्रकार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एनडीटीवी की हर्षा सिंह व सुनीति चौधरी ने किया।

वार्ड नंबर-7 के पार्षद कार्यालय का उद्घाटन

सफल राजस्थान

जयपुर। 3 मार्च को 1 बजे वार्ड नंबर 7 की पार्षद मंजू शर्मा के पार्षद कार्यालय का उद्घाटन जयपुर शहर महापौर विष्णु लाटा के द्वारा किया गया इस अवसर पर विद्याधर नगर कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल नेता प्रतिपक्ष धर्मसिंह सिंघानिया पार्षदगण सुमन गुर्जर कमल वाल्मिकी सुशील शर्मा भगत सिंह देवल किशोर कौशल किशन अजमेरा, एवं ब्लॉक अध्यक्ष राकेश लाटा ब्लॉक अध्यक्ष जेपी सैनी जयपुर शहर कांग्रेस महामंत्री हवा सिंह बुगालिया, आदर्श नगर विधानसभा के एमएलए रफीक खान, विद्याधर नगर जोन के डीसी प्रियवत चारण, एएन महेश मिश्रा, सीएसआई रामकिशोर गुप्ता सहित नगरनिगम के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर राजेन्द्र शर्मा, आनंद गुप्ता, इंद्रपाल चौधरी, हरेन्द्र सिंह जादौन, जसवंत चौधरी, रण सिंह चौधरी, नंदलाल चौधरी एवं काफी संख्या में आम जनता उपस्थित रही।

व्यापार व उद्योग की समस्याओं को लेकर फोर्टी ने उद्योग मंत्री को सौंपा ज्ञापन

सफल राजस्थान

जयपुर। 1 मार्च माननीय उद्योग मंत्री की अध्यक्षता में साशन सचिवालय में व्यापार व उद्योग की समस्याओं को लेकर बैठक का आयोजन हुआ जिसमें फोर्टी की और से अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण अग्रवाल व इंडस्ट्रियल डवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन जगदीश सोमानी ने उद्योग मंत्री को ज्ञापन सौंपा जिसमें मुख्य रूप से, रीको इंडस्ट्रियल छेत्र में रख रखाव, उद्योगों को वितीय सुविधा, वैट एमनेस्टी स्कीम, इवे बिल, औद्योगिक क्षेत्र में सीवर लाइन, ईटीपी की स्थापना व औद्योगिक क्षेत्रों को वेयर हाउस का दर्जा दिलवाने जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं से अवगत कराया साथ ही उद्योग मंत्री महोदय ने बताया की आने वाली नई उद्योग नीति में हम जल्द ही यह कानून लायेंगे की जौ लोग इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं वे पहले इंडस्ट्री लगाना शुरू करे और जो भी नियमावली की पूर्ति करनी है वो अगले 2 से 2.5 वर्ष में पूर्ति करे ताकि जो नियमावली के लिये समय खराब होता है उससें उद्योगों को बचाया जा सके।

ज्वैलर्स एसोसियेशन ने किया जावेडकर का अभिनंदन

जयपुर (सफल राजस्थान)। ज्वैलर्स एसोसियेशन की ओर से केंद्रीय मानव संसाधान विकास मंत्री प्रकाश जावेड़कर का सम्मान किया गया। एसोसियेशन के कोषाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला के नतृत्व मेंयपुर के प्रमुख व्यवसायियो, उद्योगपतियों ने उनका अभिनंद किया। मंगोड़ीवाला ने बताया कि विंग कमांडर अभिनंदन की सकुशल रिहाई से भारत माता के हर लाल का सीनाछप्पन इंच का हो गया है। कार्यक्रम में एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष रामदास सोंखिया, दिनेश कोठारी, उद्योगपति विनोद अग्रवाल, साड़ी व्यापार संघ के अध्यक्ष तनेजा, वीरेन्द्र जीराणा, जयपुर व्यापार महासंघ के महासचिव सुरेंद्र बज, दिनेश खटोरिया, जीतो राज. जोनल चैयरमेन राजेन्द्र, बराड़िया, दौलत डागा, रवि बौराड, ज्वैलर शो के सह संयोजक अशोक बागला, शरद कंचोलिया, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष गौरव जैन सहित प्रमुख उद्यमियों ने भाग लिया।

शू फेयर में इस बार बड़ी रेंज मिलेगी

सफल राजस्थान

जयपुर। आगामी 8 से 10 मार्च तक मानसरोवर मध्यम मार्ग स्थित हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड में होगा आयोजन। दैनिक भास्कर की मीडिया पार्टनरशिप में फुटवियर जगत में राजस्थान के सबसे बड़ा आयोजन शू फेयर 2019 मानसरोवर मध्यम मार्ग स्थित हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड में होने जा रहा है। शू फेयर शहरवासियों की फुटवियरकी शॉपिंग आसान बनाने के साथ ही फुटवियरजगत से जुड़े व्यापारियों के लिए भी बहुत खास होता है। इस शू फेयर में विभिन्न प्रकार के फुटवियर प्रोडक्ट की विस्तृत रेंज के साथ-साथ ग्राहकों के लिए ढेर सारे डिस्काउंट ऑफर भी उपलब्ध है फुटवियर के इस महाआयोजन में एक ही छत के नीचे कई नामी ग्रामी कंपनियों के प्रोडक्ट्स उपलब्ध होंगे। इस शू फेयर 2019 के मुख्य सहयोग फुटवियर होलसेलर विकास समिति जयपुर है।

अपने व्यापार को दे नई दिशा :

शू फेयर 2019 एक ऐसा आयोजन है जहां फुटवियर जगत से जुड़े छोटे बड़े व्यापारी अपने सभी तरह के लाखों लोग अपने जरूरत के हिसाब से फुटवियर उत्पाद खरीदते है साथ ही बाजार में आयेनए फुटवियर प्रोडक्ट्स एंड डिजाइन की जानकारी लेते है। फुटवियर होलसेलर विकास समिति के महासचिव दिनेश गगरानी, व कोषाध्यक्ष नरेश लालवानी ने बताया यहां शू फेयर 2019 बहुत सी कंपनियां अपने सभी प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन करेगी। इसमें पुरुषों के लिए स्पोर्ट्स शूज, फॉर्मल शूज, महिलाओं के लिए पार्टीवेयर, घरेलू, सभी प्रकार की चप्पलें सेंडल, उपलब्ध होंगे। भच्चों के लिए किड्ज शूज स्कूल शूज अनेक अनेक प्रकार की वैराइटी यहां उपलब्ध होंगे। स्टॉल्स बुकिंग के लिए और अधिक जानकारी के लिए 9414258210, 73000254240 पर संपर्क करें।

मीडिया के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर...
सफल राजस्थान
राजस्थान के सभी जिलों में
'सफल राजस्थान'
समाचार पत्र में कार्य करने के लिये
युवक/युवतियों की आवश्यकता है।
safalraj2012@gmail.com
जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेंट्रल स्पाईन,
विद्याधर नगर, जयपुर-पिन. 302039
मो. 8829966661, 9214466661

पायलट का राजावास मे किया स्वागत

सफल राजस्थान

जयपुर। रविवार को जयपुर से उदयपुरिया जाते समय आमेर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री व प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान कॉंग्रेस कमेटी अध्यक्ष सचिन पायलेट का राजावास ईडन गार्डन के सामने स्वागत किया उपस्थित प्रदेश सचिव प्रशांत सहदेव शर्मा, महासचिव रामकरन यादव, कालुराम बागडा, ब्लॉक अध्यक्ष रामपुरा डाबडी रामबिहारी शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि राजावास रामपाल बाँयला, जिला प्रभारी चिरंजी लाल वर्मा डीसीसी सचिव मोहन चौहान, पूर्व जिला पार्षद राजेन्द्र परसवाल, मुकेश खैरवाडी, राजेन्द्र बाँयला, नानुराम तरडियाँ, राजीव दोतोलियाँ, साँवर मल गुर्जर, भरत शर्मा, सिकन्दर बबेरवाल, आदि ने माला पहनाकर स्वागत किया

महिलाओं की सहायतार्थ एक विमेंस एंपावर एक्सपो 9 व 10 मार्च को

पोस्टर का विमोचन परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने किया

सफल राजस्थान

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर प्रियदर्शनी सोलर मिशन एंड वाटर सेविंग संस्था की ओर से विद्याधर नगर में 9 और 10 मार्च 2019 को महिलाओं की सहायतार्थ एक विमेंस एंपावर एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में विभिन्न स्टालों के जरिए लघु उद्योग और स्वरोजगार से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएंगी। यहां पर हस्त निर्मित उत्पादों के साथ अन्य उत्पादों की भी स्टाल लगाई जाएंगी। इस विमेंस एंपावर एक्सपो के आयोजन के संदर्भ में संस्था अध्यक्ष शशि गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सहायतार्थ आयोजन है। इस आयोजन के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को राज्य के सैनिक कल्याण और परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने निवास स्थान पर किया और इस आयोजन के लिए संस्था को शुभकामनाएं दी।

उंगुली पर वोट की नीली स्याही राष्ट्र के लिए हमारा योगदान है : चतुर्वेदी

सफल राजस्थान

जयपुर। भाजपा महाभियान संकल्प से सिद्धि नव भारत का निर्माण जयपुर द्वारा चन्द्रशेखर आजाद की पुण्य तिथि पर मेरा वोट मेरा भविष्य-सौ प्रतिशत मतदान का संकल्प विचार गोष्ठी गोपालपुर के माय मिशन कोचिंग इंस्टीटूट में आयोजित की गई। जिसमें महाभियान के प्रदेश संयोजक डॉ लोकेश चतुर्वेदी ने चंद्रशेखर आज़ाद के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के नव निर्माण के लिए अपना मत का राष्ट्रवादी लोगों के लिए उपयोग हो उसके लिए स्वयं का तो वोट करें ही करें अपने साथ अपने मित्रों का, परिवार का, पड़ोसियों आदि सभी का वोट कराने का भी संकल्प ले और राष्ट्र के नव निर्माण में अपना योगदान दें।

विचारगोष्ठी में प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता जटाशंकर शर्मा ने अपने विचारों से युवाओ को जोश दिलाया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक कुँवर कनक सिंह राव ने सभी का आभार व्यक्त किया। विचारगोष्ठी में महाभियान के प्रदीप खेतान प्रभारी जयपुर संभाग, युक्ति उप्पल, सीमंतीनी चतुर्वेदी, चंद्रशेखर, अंकित भारद्वाज, अरुणा टांक, अभिनव, सत्यनारायण जोशी, नलिन शर्मा आदि उपस्थित रहे और सुमित शर्मा ने मंच का संचालन किया।

सम्पादकीय ... विमला देवी

देश में अभिनंदन

हालांकि यह भी सही है कि इस मसले पर पाकिस्तान ने भारत और यहां के नागरिकों की इच्छाओं का ध्यान रखा और विंग कमांडर अभिनंदन को भारत को लौटाने को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया। भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की भारत

वापसी मौजूदा घटनाक्रम के दौर में एक अहम अध्याय है। पिछले कुछ दिनों से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के जो हालात बने हुए हैं, उनमें पाकिस्तान के कब्जे में फंसे अभिनंदन की स्थिति को लेकर चिंता होना स्वाभाविक ही था। लेकिन इस बीच भारत ने लगातार कूटनीतिक दबाव बनाए रखा और इसी का नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने अभिनंदन को वापस करने का फैसला किया। हालांकि यह भी सही है कि इस मसले पर पाकिस्तान ने भारत और यहां के नागरिकों की इच्छाओं का ध्यान रखा और विंग कमांडर अभिनंदन को भारत को लौटाने को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया। वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बाकायदा असेंबली में शांति भावना के तहत भारतीय पालयट अभिनंदन की रिहाई का एलान किया। गौरतलब है कि बुधवार को जब पाकिस्तान ने भारत के सीमा क्षेत्र में हवाई बमबारी की थी तब भारतीय वायुसेना के विमानों ने इसका करारा जवाब दिया था। लेकिन इसी क्रम में भारत का एक लड़ाकू विमान पाकिस्तान की सीमा के इलाके में जा गिरा। इस बीच विमान के पायलट विंग कमांडर अभिनंदन किसी तरह पैराशूट के जरिए सुरक्षित उतर तो गए, मगर वहां पाकिस्तान की सेना ने उन्हें कब्जे में ले लिया। इसके बाद भारत के सामने बड़ी चुनौती यही थी कि वह कौन-सा रास्ता अपनाए कि कमांडर अभिनंदन की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके। जाहिर है, भारत ने लंबे समय में दुनिया भर में जो साख बनाई है और ताजा संकट में भी कूटनीतिक स्तर पर जिस तरह की पहलकदमी की, उसकी वजह से कई देशों ने भारत के पक्ष में साफ राय जाहिर की और इससे पाकिस्तान पर दबाव बना। अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि कमांडर अभिनंदन को वापस करने के लिए पाकिस्तान ने दबे-ढके शब्दों में शर्त की तरह बातचीत का जो प्रस्ताव रखा था, उससे भी उसे पीछे हटना पड़ा। इस बीच भारत की ओर से लगातार दबाव बनाए रखा गया और इसी का हासिल है कि पाकिस्तान से कमांडर अभिनंदन की सुरक्षित वापसी संभव हो सकी। वरना यह किसी से छिपा नहीं है कि भारत के सैनिकों के प्रति पाकिस्तान का क्या रवैया रहा है। अनेक फौजी आज भी पाकिस्तान की कैद में अपनी रिहाई का इंतजार कर रहे हैं और उनके मामले में पाकिस्तान ने कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया है। निश्चित रूप से विंग कमांडर अभिनंदन की भारत वापसी हमारे देश के लिए एक शानदार उपलब्धि है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि आखिर हालात यहां तक क्यों पहुंचे। पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के बयालीस जवानों की जान चली गई। उस हमले के पीछे कौन है, अब यह समझना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों के पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने की खबरें अब पुष्ट हो चुकी हैं। भारत की जरूरत और मांग सिर्फ इतनी है कि आतंकी संगठनों को पाकिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दे। मगर बार-बार के आश्वासनों के बावजूद पाकिस्तान ने इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। इसी अघोषित संरक्षण की वजह से आतंकी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं और इसका खमियाजा भारत को उठाना पड़ता है। पुलवामा हमले और उसके बाद विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी के अब तक के घटनाक्रम का एक जरूरी सबक यह होना चाहिए कि भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाने वालों के खिलाफ पाकिस्तान जमीनी स्तर पर कार्रवाई करे।

गौरतलब है कि बुधवार को जब पाकिस्तान ने भारत के सीमा क्षेत्र में हवाई बमबारी की थी तब भारतीय वायुसेना के विमानों ने इसका करारा जवाब दिया था। लेकिन इसी क्रम में भारत का एक लड़ाकू विमान पाकिस्तान की सीमा के इलाके में जा गिरा। इस बीच विमान के पायलट विंग कमांडर अभिनंदन किसी तरह पैराशूट के जरिए सुरक्षित उतर तो गए, मगर वहां पाकिस्तान की सेना ने उन्हें कब्जे में ले लिया। इसके बाद भारत के सामने बड़ी चुनौती यही थी कि वह कौन-सा रास्ता अपनाए कि कमांडर अभिनंदन की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो सके।

पाठकों के पत्र

यदि आप आसपास के परिवेश से प्रभावित होकर कुछ लिखने का साहस रखते हैं, **इस पते पर लिखें।**

सफल राजस्थान

जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार),
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर,
जयपुर -302039
ईमेल-
E-Mail : safalraj2012@gmail.com
मो. : 8829966661

कृषि उत्पादों की बर्बादी

अट्ठाईस करोड़ टन अनाज उगाने वाले देश में अगर करीब उन्नीस करोड़ लोगों को पर्याप्त भोजन न मिल पाता हो तो यह जानना ही पड़ेगा कि यह समस्या है किस तरह की। यह आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्युरिटी एंड न्यूट्रीशन इन द वर्ल्ड 2018' रिपोर्ट में दिया गया है। समस्या के आकार का अंदाजा लगाएं तो भारत में जितने लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिलता, उनकी तादाद फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे देशों की कुल आबादी से दुगनी बैठती है। खासतौर पर यह समस्या और ज्यादा जटिल तब बन जाती है जब हम अपनी मांग या जरूरत से ज्यादा अनाज पैदा करने का दावा भी कर रहे हों।

जब हमें यह पता है कि एक तिहाई अनाज बर्बाद चला जाता है तो इसी से अंदाजा लगता है कि कितना अनाज जरूरतमंद तबके तक पहुंच पाएगा और कितना गोदामों में और ढुलाई के समय बर्बाद हो जाएगा? जाहिर है, यह समस्या कम उत्पादन नहीं बल्कि पर्याप्त भंडारण व्यवस्था की कमी से जुड़ी है। खाद्य उत्पादन में भारत विश्व के शीर्ष पांच देशों में एक है। इस मामले में हम हर साल अपना पिछला रेकॉर्ड तोड़ देते हैं और इसी को बताते हुए अपने कृषि विकास का प्रचार भी कर रहे हैं। लेकिन ऐसे दावों के बावजूद अगर किसान आत्महत्या कर रहे हों, देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का हिस्सा घटता ही जा रहा हो, देश का भूख सूचकांक और कुपोषण के आंकड़े भयानक तस्वीर पेश कर रहे हों तो कृषि के हालात की जांच पड़ताल जरूर होनी चाहिए। हरित क्रांति के बाद भारत खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर घोषित हो गया था। वाकई उन्नत बीजों के इस्तेमाल से उत्पादन अचानक ही काफी बढ़ गया था। लेकिन यह भी हैरत की बात है कि कई दशक पहले खाद्य आत्मनिर्भरता पा लेने के बावजूद भूख के वैश्विक सूचकांक में हम अपनी स्थिति नहीं सुधार पाए। वैश्विक भूख सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) में एक साल पहले की स्थिति के मुकाबले हमारी हालत तीन पायदान और नीचे चली गई। सन 2017 में भारत सौ वें पायदान पर था और 2018 में एक सौ तीन वें नंबर पर आ गया। इस मामले में एक सौ उन्नीस देशों में हमारी हालत सबसे पीछे के सत्रह देशों में दिखाई जा रही है। क्या रेकॉर्ड तोड़ उत्पादन करने वाले किसी देश के लिए यह गंभीर सोच विचार की बात नहीं है? अट्ठाईस करोड़ टन अनाज उगाने वाले देश में अगर करीब उन्नीस करोड़ लोगों को पर्याप्त भोजन न मिल पाता हो तो यह जानना ही पड़ेगा कि यह समस्या है किस तरह की। यह आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्युरिटी एंड न्यूट्रीशन इन द वर्ल्ड 2018' रिपोर्ट में दिया गया है। समस्या के आकार का अंदाजा लगाएं तो भारत में जितने लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिलता, उनकी तादाद फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे देशों की कुल आबादी से दुगनी बैठती है। खासतौर पर यह समस्या और ज्यादा जटिल तब बन जाती है जब हम अपनी मांग या जरूरत से ज्यादा अनाज पैदा करने का दावा भी कर रहे हों। इस समस्या के कई कारण बताए जा सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ इसका सबसे बड़ा कारण यह बताते हैं कि देश में खाद्य उत्पाद की बर्बादी हद से ज्यादा है। कितनी बर्बादी है, इसका सही-सही हिसाब लगा पाना एक सौ पैंतीस करोड़ की आबादी वाले देश में मुश्किल काम है। फिर भी भूख सूचकांक और छोटे-छोटे नमूने लेकर किए सर्वेक्षणों से एक मोटा अंदाजा लगता है कि ब्रिटेन की आबादी का पेट भरने के लिए जितने अनाज की जरूरत पड़ती है, उतना अनाज हमारे देश में बर्बाद चला जाता है। बर्बादी का मुख्य कारण यह जाना गया है कि अनाज की बर्बादी कई स्तरों पर होती है। लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण यह बताया जाता है कि हमारी खाद्य भंडारण व्यवस्था निर्धारित मानकों से बहुत निचले स्तर की है। भारत में मुख्य फसलों की बात करें तो भारतीय कृषि हमेशा से ही गेहूं और चावल पर आधारित रही है। इसके अलावा दालें, गन्ना, तिलहन आदि भी भारतीय कृषि का बड़ा हिस्सा हैं। लेकिन हमारे कुल कृषि उत्पाद में आज भी गेहूं और चावल ही प्रमुखता से उगाया जा रहा है। इस बार गेहूं की पैदावार दस करोड़ टन से ज्यादा होगी। सरकार की तरफ से कहा भी गया है कि देश में अनाज की कमी नहीं है, लेकिन अब चिंता सरकारी खरीद बढ़ाने के बाद उसके भंडारण की है। इस मामले में कुछ आंकड़ों पर नजर डालना जरूरी है। इस साल सरकार तीन करोड़ सत्तावन लाख टन गेहूं की खरीद की योजना बना रही है। इसी तरह चावल के लिए तीन करोड़ पचहत्तर लाख करोड़ टन खरीद का लक्ष्य बनाया गया था, जिसमें से तीन करोड़ पचास लाख टन चावल सरकार की तरफ से इस साल खरीदा जा चुका है। इन आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दो मुख्य फसलों के कुल उत्पादन का कितना हिस्सा सरकार खरीद पा रही है। जब हमें यह पता है कि एक तिहाई अनाज बर्बाद चला जाता है तो इसी से अंदाजा लगता है कि कितना अनाज जरूरतमंद तबके तक पहुंच पाएगा और कितना गोदामों में और ढुलाई के समय बर्बाद हो जाएगा? जाहिर है, यह समस्या कम उत्पादन नहीं बल्कि पर्याप्त भंडारण व्यवस्था की कमी से जुड़ी है। भारत में खाद्य भंडारण का काम सरकारी संस्था फूड कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआइ) दूसरी सरकारी एजंसियों के साथ मिल कर करती है। यह काम राशन की दुकानों यानी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिए गरीबों तक अन्न पहुंचाने के लिए किया जाता है। लेकिन आज तक हम अपनी भंडारण क्षमता को इतना दुरुस्त नहीं कर पाए कि देश में अनाज की बर्बादी रुक जाए। मसला सिर्फ अनाज के भंडारण का ही नहीं है। अनाज के अलावा जल्दी खराब होने वाले दूसरे खाद्य उत्पादों जैसे फल और सब्जियां को सुरक्षित भंडारण की उससे भी ज्यादा जरूरत पड़ती है। लेकिन देश में फलों और सब्जियों के लिए शीत गृहों (कोल्ड स्टोरेज) की सुविधा नाकाफी है। इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स के एक शोध सर्वेक्षण के मुताबिक इस समय भारत में करीब छह हजार तीन सौ कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं हैं। इनकी भंडारण क्षमता करीब तीन करोड़ टन है। लेकिन इन कोल्ड स्टोरेज में से पचहत्तर से अस्सी फीसद गोदाम सिर्फ आलू की फसल रखने के लिए ही अनुकूल हैं। लंबे समय तक टिकने वाली मुख्य फसलें यानी गेहूं और चावल के भंडारण की स्थिति खास अच्छी नहीं है। इस समय भारत में सिर्फ आठ करोड़ तियालीस लाख टन अनाज के भंडारण की व्यवस्था है। इसमें से सरकारी भंडार तीन करोड़ बासठ लाख टन की क्षमता के ही हैं। दूसरी एजंसियों व गैर सरकारी भंडारों की क्षमता चार करोड़ अस्सी लाख टन है। हालांकि गैर सरकारी भंडारों को सरकार एक सीमित समय के लिए किराए पर ले लेती है। इतना ही नहीं, साढ़े आठ करोड़ टन की भंडारण क्षमता में एक और नुक्ता है। इन गोदामों में भी बंद या छत वाले गोदामों की क्षमता सिर्फ सात करोड़ टन है।

पेड़ बचेंगे तो जीवन बचेगा

अगर दिल्ली और देश के अन्य अत्यधिक प्रदूषित शहरों में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाना है तो लोगों को निजी वाहनों का प्रयोग कम कर सार्वजनिक परिवहन को अपनाना चाहिए, साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर हरियाली बढ़ानी होगी। लेकिन पर्यावरण संरक्षण के बड़े-बड़े दावों और वादों के बावजूद वृक्षों के विनाश का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है। एक ओर जहां हरियाली की कमी के चलते पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने से प्रकृति का प्रकोप बार-बार सामने आ रहा है। सरकारें ही शहरी विकास और देश के विकास को रफ्तार देने, लंबे-चौड़े एक्सप्रेस-वे बनाने के नाम पर लाखों ऐसे वृक्षों का सर्वनाश करने का फरमान जारी करने में विलंब नहीं करतीं, जिनमें से बहुत से पेड़ तो डेढ़ सौ साल तक पुराने नीम, पीपल और बरगद जैसे विशालकाय होते हैं। पिछले साल दिल्ली में भी साढ़े सोलह हजार पेड़ काटे जाने का फरमान सुनाया गया था, किंतु चिपको आंदोलन की तर्ज पर दिल्लीवासियों ने व्यापक स्तर पर जन अभियान चलाकर दिल्ली सरकार को अपना निर्णय वापस लेने को विवश कर इन वृक्षों को कटने से बचा लिया था।

भारतीय वन सर्वेक्षण की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में सघन वनों का क्षेत्रफल तेजी से घट रहा है। 1999 में सघन वन 11.48 फीसद थे, जो 2015 में घट कर मात्र 2.61 फीसद रह गए। देश के कई राज्यों उत्तराखंड, मिजोरम, तेलंगाना, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, दादरा नगर हवेली इत्यादि में वन क्षेत्र तेजी से कम हुआ है। दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहर प्रदूषण के चलते बुरी तरह हांफ रहे हैं। पिछले कुछ समय से देश में पर्यावरण का मिजाज लगातार बिगड़ रहा है, जिसका खमियाजा देश ने वर्षभर किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में भुगता भी है। भारत के कई शहर दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्वव्यापी वायु प्रदूषण डाटाबेस के अनुसार दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित पंद्रह शहरों में से चौदह भारत में हैं, जिनमें वाराणसी, कानपुर, लखनऊ, पटना और गया शामिल हैं। देश की राजधानी दिल्ली तो अक्सर गैस चैंबर में तब्दील हो चुकी है। कार्बन उत्सर्जन मामले में दिल्ली दुनिया के तीस शीर्ष शहरों में शामिल है। पहाड़नुमा कूड़े के ढेरों से निकलती जहरीली गैसें, औद्योगिक इकाइयों से निकलते जहरीले धुएं के अलावा सड़कों पर वाहनों की बढ़ती संख्या कार्बन उत्सर्जन का बड़ा कारण है। कहा जाता रहा है कि अगर दिल्ली और देश के अन्य अत्यधिक प्रदूषित शहरों में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाना है तो लोगों को निजी वाहनों का प्रयोग कम कर सार्वजनिक परिवहन को अपनाना चाहिए, साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर हरियाली बढ़ानी होगी। लेकिन पर्यावरण संरक्षण के बड़े-बड़े दावों और वादों के बावजूद वृक्षों के विनाश का सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है। एक ओर जहां हरियाली की कमी के चलते पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने से प्रकृति का प्रकोप बार-बार सामने आ रहा है। सरकारें ही शहरी विकास और देश के विकास को रफ्तार देने, लंबे-चौड़े एक्सप्रेस-वे बनाने के नाम पर लाखों ऐसे वृक्षों का सर्वनाश करने का फरमान जारी करने में विलंब नहीं करतीं, जिनमें से बहुत से पेड़ तो डेढ़ सौ साल तक पुराने नीम, पीपल और बरगद जैसे विशालकाय होते हैं। पिछले साल दिल्ली में भी साढ़े सोलह हजार पेड़ काटे जाने का फरमान सुनाया गया था, किंतु चिपको आंदोलन की तर्ज पर दिल्लीवासियों ने व्यापक स्तर पर जन अभियान चलाकर दिल्ली सरकार को अपना निर्णय वापस लेने को विवश कर इन वृक्षों को कटने से बचा लिया था। लेकिन देश में हर जगह स्थिति ऐसी नहीं है। हिमालयी क्षेत्र हो या गंगा तथा उसकी सहायक नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र, हर कहीं हजारों की संख्या में विशालकाय वृक्ष काटे जा रहे हैं। चार-धाम यात्रा को सुखद बनाने के लिए सड़कों के चौड़ीकरण के लिए करीब नौ सौ किलोमीटर के दायरे में वर्षों पुराने लाखों विशालकाय हरे-भरे वृक्ष काट डाले गए। विकास के नाम पर बेरहमी से वृक्षों के विनाश के चलते जो पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है उससे मानव सहित समस्त प्राणी जगत का जीवन कैसे सुरक्षित रहेगा, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो हरे-भरे विशाल वृक्षों की कीमत पर यह विकास किस काम का? वृक्ष न केवल हमें भावनात्मक तथा आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि मिट्टी को रोके रख कर हमें बाढ़ के खतरे से बचाते हैं, कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर आसपास के वायुमंडल को स्वच्छ रखते हैं, पर्याप्त वर्षा कराने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं, विषैले पदार्थों को अवशोषित करते हुए पोषक तत्त्वों का नवीनीकरण करते हैं।

जंगल के दावेदारों पर आगा-पीछा

सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीशों अरु ण मिश्रा, नवीन सिन्हा और इंदिरा बनर्जी की बेंच ने प्राकृतिक दुनिया के दावेदारों को दस लाख की संख्या में अतिक्रमणकारी मान लिया है, और 21 राज्यों को यह आदेश दिया है कि उन्हें जंगलों से बेदखल किया जाए। अगली तारीख 24 जुलाई, 2019 तक सेटेलाइट के जरिए सर्वे करवाने और बेदखली की ताजा स्थिति से अवगत कराने का फरमान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी हुआ है। हालांकि बीती एक मार्च को न्यायालय ने अपने फैसले के अमल पर रोक लगा दी लेकिन सवाल अभी भी बने हुए हैं। 2005 में संसद ने वन अधिकार कानून बनाया था। यह मानकर कि देश के 8,08 प्रतिशत आदिवासियों के साथ ऐतिहासिक रूप से नाइंसाफी हुई है। ब्रिटिशकाल में 1793 में स्थायी बंदोबस्ती शुरू होने के बाद से ही उन्हें बेदखली का सामना करना पड़ रहा है जो कि 1846 के वन अधिनियम बनने और 1927 में भारतीय वन अधिनियम के प्रारूप के साथ आदिवासियों के खिलाफ जंगलों के भीतर एक पुख्ता मशीनरी का विस्तार हो गया। 600 के समूहों में आदिवासियों की दुनिया है। देश में कुल वन क्षेत्र 765.21 हजार वर्ग किलोमीटर जिनमें 71 प्रतिशत क्षेत्र आदिवासी इलाका है। इसमें 416.52 और 223.30 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सुरक्षित और संरक्षित इलाके के रूप में चिह्नित किया गया है। 23 प्रति क्षेत्र वन्य जीवों की सेंचुरी और नेशनल पार्क के लिए निकाला गया है। इसके लिए लगभग पांच लाख आदिवासियों को उनकी जमीन से खदेड़ा गया। एक सौ 87 जिले आदिवासी जिलों के रूप में हैं जो कि भारतीय सीमा के भीतर का 33.6 प्रतिशत क्षेत्र होता है। इन जिलों में 37 प्रतिशत क्षेत्र सुरक्षित वन है, और 63 प्रतिशत घने जंगलों के इलाके माने जाते हैं। आर्थिक उदारीकरण शब्द उस दुनिया के लिए हैं, जिन्हें अपने पांव तेजी के साथ फैलाने की इजाजत मिलती है।

हैलो.. हैलो..

हॉस्पिटल

गवर्मेंट सैटेलाइट हॉस्पिटल, बनीपार्क	2202449
महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट	2610616
एसएमएस हॉस्पिटल	2560291
जनाना हॉस्पिटल	2378721
ईएसआई डिस्पेंसरी, मालवीयनगर	2522724
ईएसआई डिस्पेंसरी, प्रताप नगर	2792594

पुलिस

कंट्रोल रूम, जयपुर सिटी	2575715
कंट्रोल रूम, जयपुर ग्रामीण	2575774
कंट्रोल रूम, यातायात	2565630

होटल-ट्यूरिज्म

गणगौर	0141-2371641, 2371642, 2371644, 2371646
स्वागत	0141-2200595, 2206701, 09950996242
तीज	0141-2205482, 2205473, 2203199, 09829058458
होटल खासा कोठी	0141-2375151, 4063000, 09414073182

रोडवेज

कंट्रोल रूम हैड ऑफिस	0141-2373044
सेंट्रल बस स्टैंड सिंधी कैंप	0141-2207906, 2207912, 207913, 2207914
डीलक्स बस आरक्षण	0141-2205790
ड्यूटी ऑफिसर प्लेटफार्म	0141-2207907
ड्यूटी ऑफिसर सिंधी कैंप	0141.2207903

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131
रेलवे पूछताछ	139

हैल्प लाइन

चाइल्ड हैल्प लाइन	0141-2353997-1098
बिजली हैल्प लाइन	0141-2354900-1912
ऑपरेशन गरिमा	0141-2204475
एनीमल हॉस्पिटल हैल्प लाइन	0141-2373237
हैल्प इन सफरिंग हैल्प लाइन	0141-2760012

ब्लड बैंक

संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल	0141- 2566251, 2574189
सवाई मानसिंह हॉस्पिटल	0141-256 02912
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	0141-2545293, 2721771

अग्निशमन केन्द्र

अग्निशमन हैल्पलाइन	101
बनीपार्क	0141-2201898
बाईस गोदाम	0141-2211258
घाट गेट	0141-2615550
विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र	0141-2332573
एम आई रोड	0141-2375925

सांस्कृतिक केन्द्र

जवाहर कला केंद्र	0141-2706560
रविन्द्र मंच	0141-2619061

ट्यूरिस्ट प्लेस

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम	0141-2570099
आमेर फोर्ट	0141-2530293
बिरला प्लेनेटोरियम	0141-2385094,
हवा महल	0141-618862
जंतर मंतर	0141-2610494
जयगढ़ फोर्ट	0141-2274848
नाहरगढ़ फोर्ट	0141-5148044
जयपुर जू	0141-2680494
राम निवास गार्डन	0141-2617319
साइंस पार्क	0141-2304654
सिटी पैलेस	0141-2608055

एम्बुलेंस

एम्बुलेंस हैल्पलाइन	108
जेके लोन एम्बुलेंस	0141-2619827
महिला चिकित्सालय एम्बुलेंस	0141-2601333
एसएमएस एम्बुलेंस	0141-2560291
रेड क्रास एम्बुलेंस	0141-2617214

एयरलाइंस

एयर अरेबिया	0141-5115455
इंडिगो एयरलाइंस	0141-5119992
एयर इंडिया सिटी	0141-2744840, 2743500
ओमान एयरवेज	0141-4002041
एयर अरेबिया	0141-2378501, 2378204
एयर इंडिया	0141-2721333, 2721519
गो एयर	0141-6500803
जेट एयरवेज	0141-5112222
स्पाइस जेट	0141-5119882

दुर्घटना थाना

ईस्ट	2587436
वेस्ट	2577717
नॉर्थ	2568721
साउथ	2575171

महाशिवरात्रि आज

महाशिवरात्रि का महापर्व सोमवार यानि 4 मार्च को है। इस दिन देशभर के शिव मंदिरों में भक्तों की भींड लगी रहती है। इसके अलावा महाशिवरात्रि का व्रत नक्षत्र के हिसाब से मंगलवार, 5 मार्च 2019 को रखा जाएगा। इस बार महाशिवरात्रि पर अद्भुत संयोग बन रहा है और इस दिन व्रत रख कर शिव जी की अराधना करने से कई गुना ज्यादा पुण्य प्राप्त होगा। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव तो मात्र बेल पत्र चढ़ाने से भी खुश होकर अपने भक्तों की मुराद पूरी करते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही चीजों के बारे में जिन्हें भगवान शिव को अर्पित कर आप उन्हें प्रसन्न कर सकते हैं।

इन चीजों से करें महादेव की पूजा, मिलेगा मनचाहा वरदान

- चंदन को बेहद पवित्र माना गया है। कहा जाता है इसे लगाने से दिमाग शांत रहता है। भगवान शिव को भी चंदन बेहद प्रिय हैं इसलिए भोले शंकर को चंदन का तिलक करना चाहिए।
- भगवान शिव की पूजा में हल्दी एक विशेष महत्व रखती है। इसे भगवान को अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं।
- भगवान शिव को बेल पत्र और धतूरा बहुत पसंद हैं। सोमवार और शिवरात्रि पर इन्हें चढ़ाने से भगवान अपने भक्त की हर मुराद पूरी करते हैं।
- भोले शंकर को प्रसन्न करने के लिए इत्र भी चढ़ाया जाता है। इत्र भी भोले शंकर को बहुत पसंद है।

महाशिवरात्रि की कथा और व्रत की पूरी विधि, क्या करें और क्या नहीं

महाशिवरात्रि का पर्व फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार यह रात्रि भगवान शिव को अति प्रिय है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, शिवरात्रि के महत्व का वर्णन स्वयं भगवान शिव ने माता पार्वती को बताया था। उसके अनुसार भगवान शिव अभिषेक, वस्त्र, धूप तथा पुष्प से इतने प्रसन्न नहीं होते जितने कि शिवरात्रि के दिन व्रत उपवास रखने से होते हैं। शिवपुराण के अनुसार, इस दिन भगवान शिव की विधि-विधान पूर्वक पूजा करने तथा व्रत रखने से विशेष

महाशिवरात्रि व्रत की विधि

महाशिवरात्रि की सुबह व्रती यानी व्रत करने वाला जल्दी उठकर स्नान आदि करने के बाद माथे पर भस्म का त्रिपुंड तिलक लगाएं और गले में रुद्राक्ष की माला धारण करें। इसके बाद समीप स्थित किसी शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग की पूजा करें। इसके बाद व्रत करने का संकृप लें।

महाशिवरात्रि व्रत की कथा

किसी समय वाराणसी के जंगल में एक भील रहता था। उसका नाम गुरुद्रुह था। वह जंगली जानवरों का शिकार कर अपना परिवार पालता था। एक बार शिवरात्रि पर वह शिकार करने वन में गया। उस दिन उसे दिनभर कोई शिकार नहीं मिला और रात भी हो गई। तभी वो झील के किनारे पेड़ पर ये सोचकर चढ़ गया कि कोई भी जानवर पानी पीने आएगा तो शिकार कर लूंगा। वो पेड़ बिल्ववृक्ष था और उसके नीचे शिवलिंग स्थापित था।

वहां एक हिरनी आई। शिकारी ने उसको मारने के लिए धनुष पर तीर चढ़ाया तो बिल्ववृक्ष के पत्ते और जल शिवलिंग पर गिरे। इस प्रकार रात के पहले प्रहर में अनजाने में ही उसके द्वारा शिवलिंग की पूजा हो गई। हिरनी भी भाग गई। थोड़ी देर बाद एक और हिरनी झील के पास आ गई। शिकारी ने उसे देखकर फिर से अपने धनुष पर तीर चढ़ाया। इस बार भी रात के दूसरे प्रहर में बिल्ववृक्ष के पत्ते व जल शिवलिंग पर गिरे और शिवलिंग की पूजा हो गई। वो हिरनी भी भाग गई। इसके बाद उसी परिवार का एक हिरण वहां आया इस बार भी वही सब हुआ और तीसरे प्रहर में भी शिवलिंग की पूजा हो गई। वो हिरण भी भाग गया। फिर हिरण अपने झुंड के साथ वहां पानी पीने आया सबको एक साथ देखकर शिकारी बड़ा खुश हुआ और उसने फिर से अपने धनुष पर बाण चढ़ाया, जिससे चौथे प्रहर में पुन: शिवलिंग की पूजा हो गई। इस तरह शिकारी दिनभर भूखा-प्यासा रहकर रात भर जागता रहा और चारों प्रहर अनजाने में ही उससे शिवजी की पूजा हो गई, जिससे शिवरात्रि का व्रत पूरा हो गया। इस व्रत के प्रभाव से उसके पाप भस्म हो गए और पुण्य उदय होते ही उसने हिरनों को मारने का विचार छोड़ दिया। तभी शिवलिंग से भगवान शंकर प्रकट हुए और उन्होंने शिकारी को वरदान दिया कि त्रेतायुग में भगवान राम तुम्हारे घर आएंगे और तुम्हारे साथ मित्रता करेंगे। तुम्हें मोक्ष भी मिलेगा। इस प्रकार अनजाने में किए गए शिवरात्रि व्रत से भगवान शंकर ने शिकारी को मोक्ष प्रदान कर दिया।

इन चीजों से करें महादेव की पूजा

मिलेगा मनचाहा 'वरदान'

शिवालयों में इस दिन शिव भक्तों की भीड़ होती है, जो कि अपने आराध्य की सच्चे मन से पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का विवाह हुआ था। शिवरात्रि पर भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। भक्त इस दिन महादेव को प्रसन्न करने के लिए कई चीजें अर्पित करते हैं और पूरे दिन उपवास रखते हैं। हम आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बताते हैं जिन्हें भोले शिव को अर्पित करने से मनचाहा वरदान मिलता है। भगवान शिव को धतूरा अत्यंत प्रिय है इसलिए भगवान शिव की पूजा में धतूरा जरूर शामिल करना चाहिए। धतूरे के साथ धतूरे का फूल भी भगवान शिव को अर्पित करना अच्छा होता है। महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर दूध या गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करना बहुत उत्तम होता है। इसके साथ चंदन, बेलपत्र, बेर और गन्ने का रस, गेंहू, जौ, सफेद तिल चढ़ाने से अलग-अलग मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

महाशिवरात्रि पर इन राशियों के लोगों पर बरसेगी महादेव की असीम कृपा

जानें आपकी राशि पर कैसा पड़ेगा प्रभाव

इस दिन शिव जी की पूजा पूरे विधि विधान से की जाती है। शिव जी पर एक लोटा जल चढ़ाने से ही भगवान इंसान की मुराद पूरी कर देते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार भगवान शिव पर पूजा करते वक्त बिल्वपत्र, शहद, दूध, दही, शक्कर और गंगाजल से जलाभिषेक करना चाहिए। इस दिन शुभ योग बन रहे हैं जिसका प्रभाव सभी 12 राशि के जातक पर पड़ेगा। आइये सुजीत महराज के अनुसार जानते हैं कि इस महाशिवरात्रि पर राशि पर क्या क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष

धन का आगमन हो सकता है। संघर्ष के बाद सफलता मिलेगी। बैंकिंग और मीडिया फील्ड के जातक नई सर्विस में जाने की योजना बनाएंगे। लव लाइफ में खुशी बनी रहेगी। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा स्वास्थ्य से खुश रहेंगे। सफेद रंग शुभ है। श्री सुन्दरकाण्ड का पाठ करें।

वृष

प्रशासनिक सेवा तथा राजनीतिज्ञों का सफलता से मन हर्षित रहेगा। लव लाइफ अच्छी रहेगी। दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकता है। छात्र नवीन अवसरों की प्राप्ति करेंगे।आज धन का आगमन होगा। हरा रंग शुभ है। स्वास्थ्य से खुश रहेंगे। गाय को केला खिलाएं।

मिथुन

कार्य टालने का प्रयास मत करें। धन के व्यय की संभावना रहेगी। राजनीतिज्ञों के लिए अच्छा है। आईटी तथा मार्केटिंग फील्ड के जातकों का जॉब में सफलता से मन हर्षित रहेगा। प्यार भरा वैवाहिक जीवन आपको हर्षित रखेगा। हेल्थ अच्छी रहेगी। हरा रंग शुभ है। गरीबों में कम्बल का दान करें। श्री विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।

कर्क

सफलता की प्राप्ति होगी। धन के आगमन की संभावना रहेगी। लव लाइफ बहुत अच्छी रहेगी। सफेद रंग शुभ है।भगवान शिव की उपासना करें। गरीबों में कम्बल का दान शुभ फलदायी है।हेल्थ अच्छी रहेगी।

सिंह

पालिटिक्स से सम्बद्ध जातक सफलता की प्राप्ति करेंगे। धन का आगमन होगा। लव लाइफ अच्छी रहेगी। प्रेम में देशाटन का आनन्द उठाएंगे।लाल रंग शुभ है। श्वांस के रोगी सावधानी बरतें। गाय को गुड़ खिलाएं। भगवान भास्कर को प्रणाम करें।गायत्री मंत्र पढ़ें।

कन्या

धार्मिक कार्यों में संलग्नता से मन प्रसन्न रहेगा। धन का आगमन हो सकता है। छात्र शिक्षा तथा प्रतियोगिता में उन्नति करेंगे। आईटी और बैंकिंग फील्ड के लोग आज संघर्ष के बाद ही अपना प्रोजेक्ट पूर्ण कर पाएंगे। प्रेम में विवाह की परिणती के मार्ग मे आने वाली बाधाएं समाप्त होंगी। स्वास्थ्य सुख में सफलता मिलेगी। नीला रंग समृद्धि कारक है। स्वास्थ्य सुख में प्रसन्नता रहेगी।श्री विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।

तुला

आईटी और मैनेजमेंट फील्ड में कार्य करने वाले युवा आज अपनी मेहनत से अपने अधिकारी का मन मोह लेंगे। लव लाइफ अच्छी रहेगी। नीला तथा हरा रंग भाग्य वृद्धि कारक है। स्वास्थ्य सुख बेहतर रहेगा लेकिन शुगरसे प्राब्लम आ सकती है। श्री हनुमान जी के मंदिर में कर्पूर जलाएं। संतान की सफलता से हर्षित रहेंगे।

वृश्चिक

धन के आगमन से प्रसन्न रहेंगे। राजनीतिज्ञ सफलता की प्राप्ति से खुश रहेंगे। आय प्राप्ति के नए स्रोत बनेंगे। लव लाइफ में आज हर्षित रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में प्यार बना रहेगा। नारंगी रंग उन्नति में सहायक है। गरीबों में कम्बल का दान करें। हेल्थ अच्छी नहीं रहेगी।श्री हनुमान चालीसा का पाठ करें।

धनु

धार्मिक कार्यों में आपकी व्यस्तता रहेगी। छात्रों के लिए नए जॉब के अवसर उपलब्ध रहेंगे। आईटी तथा मीडिया के जातक आज अपने कार्यों से संतुष्ट रहेंगे। जीवन साथी का सहयोग ही आपका आत्मबल है। पीला तथा सफेद रंग शुभ है। हेल्थ से प्रसन्नता रहेगी।गाय को रोटी तथा गुड़ खिलाएं।

मकर

मैनेजमेंट और मीडिया के लोगों को आज बहुत समय देना होगा तभी आफिस वर्क पूरा हो पाएगा। सफेद रंग शुभ है। शनि की साढ़े साती का असर पड़ेगा। वाहन का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें।

कुम्भ

सफलता की प्राप्ति होगी। मीडिया और बैंकिंग में जॉब करने वाले खुश रहेंगे। छात्रों को अधिक मेहनत करना होगा।लव लाइफ में प्रसन्नता रहेगी। दाम्पत्य जीवन में थोड़ा तनाव आ सकता है।नीला आपका शुभ रंग है। उड़द का दान करें। श्री हनुमान जी का ध्यान करते रहें।

मीन

बैंकिंग तथा मीडिया फील्ड के जातक सफलता की प्राप्ति करेंगे। व्यवसाय में उन्नति होगी। आज धन का व्यय होगा। लव लाइफ में आज विवाह का प्रस्ताव फाइनल हो सकता है। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। पीला तथा सफेद रंग शुभ है।

महाशिवरात्रि पर विशेष : शिव के ही अवतार हैं नंदी

फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस बार ये पर्व 4 मार्च, सोमवार को है। इस मौके पर हम आपको भगवान शिव और उनके वाहन नंदी से जुड़ी खास बात बता रहे हैं। हम अक्सर देखते हैं कि भक्त जब शिव मंदिर में दर्शन करने जाते हैं तो नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहते हैं। ये एक परंपरा है। इस परंपरा के पीछे की वजह एक मान्यता है, जो इस प्रकार है :-

इसलिए नंदी के कान में कहते हैं मनोकामना

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के अनुसार, जहां भी शिव मंदिर होता है, वहां नंदी की स्थापना भी जरूर की जाती है क्योंकि नंदी भगवान शिव के परम भक्त हैं। जब भी कोई व्यक्ति शिव मंदिर में आता है तो वह नंदी के कान में अपनी मनोकामना कहता है। इसके पीछे मान्यता है कि भगवान शिव तपस्वी हैं और वे हमेशा समाधि में रहते हैं। ऐसे में उन तक हमारे मन की बात नहीं पहुंच पाती। इस स्थिति में नंदी ही हमारी मनोकामना शिवजी तक पहुंचाते हैं। इसी मान्यता के चलते लोग नंदी को लोग अपनी मनोकामना कहते हैं।

इसलिए नंदी के कान में अपने मन की बात कहते हैं भक्त

शिवपुराण के अनुसार, शिलाद नाम के एक मुनि थे, जो ब्रह्मचारी थे। वंश समाप्त होता देख उनके पितरों ने उनसे संतान उत्पन्न करने को कहा। शिलाद मुनि ने संतान भगवान शिव की प्रसन्न कर अयोनिज और मृत्युहीन पुत्र मांगा। भगवान शिव ने शिलाद मुनि को ये वरदान दे दिया। एक दिन जब शिलाद मुनि भूमि जोत रहे थे, उन्हें एक बालक मिला। शिलाद ने उसका नाम नंदी रखा। एक दिन मित्रा और वरुण नाम के दो मुनि शिलाद के आश्रम आए। उन्होंने बताया कि नंदी अल्पायु हैं। यह सुनकर नंदी महादेव की आराधना करने लगे। प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और कहा कि तुम मेरे ही अंश हो, इसलिए तुम्हें मृत्यु से भय कैसे हो सकता है? ऐसा कहकर भगवान शिव ने नंदी का अपना गणाध्यक्ष भी बनाया।

शिव के ही अवतार हैं नंदी

शिवपुराण के अनुसार, शिलाद नाम के एक मुनि थे, जो ब्रह्मचारी थे। वंश समाप्त होता देख उनके पितरों ने उनसे संतान उत्पन्न करने को कहा। शिलाद मुनि ने संतान भगवान शिव की प्रसन्न कर अयोनिज और मृत्युहीन पुत्र मांगा। भगवान शिव ने शिलाद मुनि को ये वरदान दे दिया। एक दिन जब शिलाद मुनि भूमि जोत रहे थे, उन्हें एक बालक मिला। शिलाद ने उसका नाम नंदी रखा। एक दिन मित्रा और वरुण नाम के दो मुनि शिलाद के आश्रम आए। उन्होंने बताया कि नंदी अल्पायु हैं। यह सुनकर नंदी महादेव की आराधना करने लगे। प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और कहा कि तुम मेरे ही अंश हो, इसलिए तुम्हें मृत्यु से भय कैसे हो सकता है? ऐसा कहकर भगवान शिव ने नंदी का अपना गणाध्यक्ष भी बनाया।

'कमल सन्देश मोटर साइकिल महारैली' सम्पन्न

बीजेपी की ओर से प्रदेश में लाखों कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार

लगे भारत माता की जय और वन्दे मातरम के नारे

सफल राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आज प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में 'कमल सन्देश मोटर साइकिल महारैली' आयोजित की गई। विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर आयोजित हुई इस मोटर साइकिल महारैली में प्रदेश में लाखो कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी एवं केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र की रैली को गुर्जर की थड़ी पर हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी, शहर जिला अध्यक्ष मोहन लाल गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन लाल सैनी ने आज महारैली में झुंझनू में भाग लिया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने झालावाड़ में, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने भरतपुर में, प्रदेश महामंत्री भजन लाल शर्मा ने चाकसू में तथा प्रदेश मंत्री मुकेश दाधीच ने बगरू में मोटर साइकिल महारैली में भाग लिया।

केन्द्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ व पूर्व मंत्री राज्यपाल सिंह शेखावत ने झोटवाडा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को हरी झण्डी दिखाकर महारैली को रवाना किया। सांसद रामचरण बोहरा ने मालवीय नगर और आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र, विधायक नरपत सिंह राजवी ने विधाधर नगर विधानसभा क्षेत्र, विधायक अशोक लाहोटी ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र, विधायक सतीश पूनिया ने आमेर विधानसभा क्षेत्र, पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक ने हवामहल विधानसभा क्षेत्र तथा शहर मंत्री लक्ष्मीकांत पारीक किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को हरी झण्डी दिखाकर महारैली को रवाना किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सैनी टोंक में महारैली में शामिल हुए। रैली के दौरान भारत माता की जय तथा भारतीय सेना के पक्ष में उत्साह पूर्वक नारे लगाये गये। मोटर साइकिलों पर बैठें कार्यकर्ताओ ने वन्दे मातरम के नारों से प्रमुख मार्गो को गुँजा दिया।

(सफल राजस्थान)। राजस्थान सरकार के मुख्य सचेतक डॉ. महेश जोशी से उनके निवास स्थान पर मुलाकात करते हुए देवेंद्र शर्मा (रींगस) राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवा रक्षा दल।

भगवा रक्षा दल हिन्दुस्तान के अंदर छुपे गद्दारों के खिलाफ अभियान शुरू करेगा

जयपुर (सफल राजस्थान)। भगवा रक्षा दल अब हिन्दुस्तान के अंदर छुपे हुये देश के गद्दारों के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। भ्रष्टाचार में लिफ्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पहचान कर राज्य के पुलिस महानिदेशक को सूचना देगा। क्योंकि जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने आतंकवादियों की मदद करने वाले को पकड़ा है। वो हिन्दुस्तान का वफादार ना होकर आतंकी संगठन के साथ मिलकर हमारे देश को नुकसान पहुंचा रहा था जिसके कारण हमारे देश के जवानों पर हमला हुआ और काफी जवान शहीद हो गये। देश के ऐसे ही गद्दारों को पकड़ने का अभियान अब भगवा रक्षा दल चलायेगा।

आदित्य मनुबारवाला भारत में वैश्विक शांतिदूत श्रीलंका द्वारा नियुक्त

सफल राजस्थान

जयपुर। आदित्य मनुबारवाला एक भारतीय वकील और कानून और सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर स्तंभकार हैं। वह भारत में काम किया है और उन्नीस साल की उम्र में भारतीय विधायी इतिहास में संसद की एक समिति के सामने सबसे कम उम्र के भारतीयों में से एक हैं। प्रणब मुखर्जी पिछले सप्ताह दिल्ली में अपने सरकारी

वैश्विक शांति दूत हैं जो संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध शांति अध्ययन केंद्र श्रीलंका द्वारा नियुक्त किये गए है। वह इससे पहले अफगानिस्तान के राष्ट्रपति के तत्कालीन प्रवक्ता नजीबुल्ला आजाद को अंतर्राष्ट्रीय कानून और मामलों के विशेष सलाहकार के रूप में सेवा दे चुके हैं।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में एक स्पीकर के रूप में भी आवास पर उनकी चर्चा मनुबारवाला के शोध से संबंधित थी राज्यपाल और राष्ट्रपति के बीच शक्तियों का ओवरलैप करना मृत्युदंड की सजा से संबंधित है और सत्ता के एक श्रेणीबद्ध विभाजन की कमी भारत में बड़े पैमाने पर संवैधानिक संकट का कारण बन सकती है आदि बातों पर विचार-विमर्श करते हुए।

झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में अग्निशमन केंद्र का लोकार्पण

सफल राजस्थान

जयपुर। झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में अग्निशमन केंद्र का लोकार्पण जयपुर नगर निगम के महापौर विष्णु, लता ने किया इस अवसर पर वार्ड की स्थानीय पार्षद मंजू शर्मा इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष आनंद गुप्ता एवं रीको के उप महाप्रबंधक सतीश कुमार गुप्ता सहायक प्रबंधक राजेश उपस्थित रहे इस अग्निशमन केंद्र की बिल्डिंग रीको द्वारा बनाई गई है जिसमें एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद गुप्ता का बहुत बड़ा सहयोग रहा है इस अवसर पर इंडस्ट्री एरिया के महासचिव श्रीकांत गाड़ियां, वीरेंद्र ओसवाल सतीश दीपक सोमानी जी ओ पी सिंह, सुरेश सैनी, हरि ओम, प्रदीप गुप्ता, प्रतीक जैन एवं जयपुर इंडस्ट्रियल एरिया के वरिष्ठ उद्यमी उपस्थित थे इस अग्निशमन केंद्र की बन जाने से खातीपुरा झोटवाड़ा झोटवाड़ा के आसपास की कॉलोनियों में अगर कोई दुर्घटना होती है तो उसका लाभ सभी जनता को मिलेगा स्थानीय पार्षद ने बताया कि 5 सालों के अथक प्रयास से शुभारंभ होता है इस अवसर पर जयपुर नगर निगम के पार्षद धर्मसिंह सिंघानिया, सुमन गुप्ता, किशन अजमेरा, कमल मालवीय की सुमन गुर्जर रानी लुबना सुशील शर्मा कौशल शर्मा एवं निगम के चेयरमैन भागवत जी भी उपस्थित रहे युवा उद्यमी मोहित गुप्ता एवं समाजसेवी राजेंद्र शर्मा भी उपस्थित रहे।

अन्नापूर्णा रसोईघर में खराब गुणवत्ता को लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

सरकार से 80 रुपये प्लेट लेकर जनता को परोसा जा रहा है खराब खाना

कोटा (सफल राजस्थान)। पूर्व वसुंधरा सरकार में अन्नापूर्णा रसोई घर योजना का प्रारम्भ हुआ था जिसमें सरकार ने गरीबों और आमजन को उच्च गुणवत्ता का खाना कम दर में उपलब्ध कराना था जिसके तहत सरकार ठेकेदार को 70 से 80 रुपये देती है और साथ में ही जनता प्रति प्लेट खाने के 8 रुपये और नाश्ते के 5 रुपये देती है लेकिन ठेकेदारो द्वारा धर्म और सेवा के इस काम को धंधा बना लिया है जिसके कारण ठेकेदार जनता को खराब गुणवत्ता का खाना परोस रहे हैं जिसके कारण कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल जिसमें कांग्रेस जिला महामंत्री विपिन बरथुनिया, कांग्रेस नेता महेश आहुजा, जिला सचिव साजिद खान लाला भाई, सेवादल प्रदेश सचिव अमित सूद, कांग्रेस नेता विनोद शर्मा, अकबर हुसैन एस.के, आशीष जैन और राहुल मीणा ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर अन्नपूर्णा रसोई धर के खाने की गुणवत्ता की जांच कराने की बात की। साथ ही कलेक्टर साहाब की अध्यक्षता में एक समिति गठन करने की बात रखी गई जिसमें कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल के 2 से 3 सदस्य रहे जो समय समय पर बिना सूचना के खाने की जांच कर सके और साथ ही ख्साानके निर्माण और वितरण के लिये जगह चिन्हित करने की बात कही जिससे खाना सबके सामने बन सके और बंट सके अभी तक तो किसी को यह नही पता की खाना बनता कहाँ पर है। कांग्रेस जिला महामंत्री विपिन बरथुनिया ने कहा कि अन्नापूर्णा रसोई घर में बहुत खराब गुणवत्ता का खाना बनाया जा रहा है हमने पहले भी पूर्व सरकार में यह मामला उठाया था पर ठेकेदार भाजपा के नेताओं के संरक्षण में मामले का दबाने कामयाब रहा पर अब कांग्रेस की सरकार में जनता को खराब गुणवत्ता का खाना नही मिलने देंगे जब सरकार द्वारा 80 रुपये प्रति प्लेट खाने की दी जा रही है तो जनता खराब गुणवत्ता का खाना क्यो खायेगी अगर कलेक्टर साहाब इस पर जल्द ही कोई कार्यवाही नही करते है तो 10 दिनों में कार्यकर्त्ताओं एक विशाल रैली के रुप में बसो और कारों के माध्यम से जयपुर जाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी और नगरिय विकास मंत्री श्री शांति कुमार धारिवाल जी से मिलकर इससें अवगत करायेंगे और पूरे राजस्थान में चल रही अन्नपूर्णा रसोई धर के खानो की जाँच करवाने की मांग रखेंगे क्योंकि जो स्थिति यहाँ पर है वैसी ही स्थिति पूरे राजस्थान में भी है जिसकी समय समय पर जाँच होना आवश्यक है अन्यथा यह एक आमजन और गरिबो के साथ खिलवाड़ है और मांग रखेंगे की हर जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में समितियों का निर्माण कराया जाये जिसमें कांग्रेस के जिलेवार सदस्रू नियुक्त किये जाये और खाने का निर्माण ढाबों की तर्ज पर सबके सामने हो। कांग्रेस नेता महेश आहुजा ने कहा कि सेवा और धर्म के काम को धंधा बनाकर गरिब जनता को लूटना अपने आप को अपनी नजरों में गिराना है जो ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है सरकार द्वारा गरिब जनता के भले के लिये 80 रुपये में सब्सिडि देकर जनता को जनता दिया जा रहा है जिसमें सरकार ठेकेदार को 70 से 80 रुपये दे रही है पर ठेकेदार द्वारा जनता को बेवकुफबनाया जा रहा है और खराब गुणवत्ता का खाना दिया जा रहा है इससे अच्छा खाना तो चौराहो पर 20 से 30 रुपये में ही मिल जाता है। कांग्रेस जिला सचिव साजिद खान लाला भाई ने कहा कि पिछली सरकार में चल रही योजनाओं के ठेकेदारोकी धांधलियां अभी भी जारी है पर अब कांग्रेस की सरकार में इनकी धांध्लियां ज्यादा चलने वाली नही है और जल्द ही अन्नपूर्णा रसोई धर के ठेकेदारो के खातो से लेकर खाने की जाँच करवाई जायेगी और जिसमें कमी पायी गई उसे ब्लेक लिस्टेड करने की मांग की जायेगी। सेवादल प्रदेश सचिव अमित सूद, कांग्रेस नेता विनोद शर्मा ने कहा कि हमारी मांग जनता को उच्च गुणवत्ता का खाना खिलाने की है पर ठेकेदार द्वारा बहुत खराब खाना जनता के सामने परोसा जा रहा है जोकि आमजन के स्वास्थ्य के साथ सीधा-सीधा खिलवाड़ है।

(सफल राजस्थान)। वीरांजलि कार्यक्रम में पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों की सहायतार्थ मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को चैक प्रदान करते हुए हिकार्ड एनजीओ की ओर से चारू गुप्ता।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के. प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर में मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 8829966661, 9251166661, 9214466661